विश्वगुरुदीप आश्रम शोध संस्थान, सोडाला, जयपुर

एवं

राजस्थान राज्य अभिलेखागार के संयुक्त तत्वावध्याान में

12 जून से 14 जून 2019 तक आयोजित त्रिदिवसीय कार्यशाला की

प्रमुख झलकियाँ

पं. मधुसूदन ओझा के 153वें जन्मदिवस पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी व सम्मान समारोह

योगा इन डेली लाईफ फाउण्डेशन

एक परिचय

'योगा इन डेली लाइफ फाउण्डेशन' एक अन्ताराष्ट्रिय संस्था है, जिसकी स्थापना सन् 2002 ईस्वी में महामण्डलेश्वर परमहंस विश्वगुरु स्वामी श्री महेश्वरानन्द जी महाराज के कर कमलों से हुई। इस संस्था का मुख्यालय, नई दिल्ली में स्थित है। इस संस्था के द्वारा विविध आश्रमों का संचालन किया जा रहा है। जो भारतीय संस्कृति-धर्म-ज्ञान-विज्ञान के क्षेत्र में निरन्तर सक्रिय है। शोध के माध्यम से इनके संवर्धन में संस्था का अभूतपूर्व योगदान रहा है।

आश्रम परम्परा भारतीय संस्कृति के पल्लवन में अतीत से ही सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण रही है तथा इस संस्था के अध्यक्ष महामण्डलेश्वर परमहंस विश्वगुरु स्वामी श्री महेश्वरानन्द जी की आचार्यपरम्परा जो गुरुशिष्यपरम्परा के रूप में सतत् प्रवाहित होती रही, का उल्लेखनीय योगदान रहा है। संस्था के प्रगतिपथ पर उन्मुख गतिविधियों से इन आचार्यों का अवदान वस्तुतः चिरस्मरणीय रहेगा।

(क) आचार्य परम्परा–

1) परम महासिद्ध अवतार श्री अलखपुरी जी
2) परम योगेश्वर स्वामी श्री देवपुरी जी
3) महाप्रभु श्री दीपनारायण जी
4) परमहंस स्वामी श्री माधवानन्द जी
5) सार्वभौम जगद्‌गुरु महामण्डलेश्वर परमहंस विश्वगुरु स्वामी श्री महेश्वरानन्द जी
6) महामण्लेश्वर स्वामी श्री ज्ञानेश्वर पुरी

(ख) आश्रम परम्परा

1) श्री देवपुरी जी आश्रम, महरौली, नई दिल्ली
2) श्री देवपुरी जी आश्रम, कैलाश, सीकर (राज.)
3) श्री देवपुरी जी आश्रम, शिवबाग, बड़ी खाटू, जिला नागौर (राज.)
4) ओ३म् आश्रम, जाडन, जिला पाली (राज.)
5) धर्मसम्राट् स्वामी माधवानन्द आश्रम, नीपल, जिला पाली (राज.)
6) विश्वगुरु दीप आश्रम, जयपुर

विश्वगुरुदीप आश्रम, शोध संस्थान, जयपुर

एक परिचय

योगा इन डेली लाइफ फाउण्डेशन द्वारा संस्थापित एवं संचालित विश्वगुरुदीप आश्रम जयपुर में दिनांक दिसम्बर, 2016 को महामण्डलेश्वर स्वामी ज्ञानेश्वर पुरी जी के प्रयत्नों से तथा महामण्डलेश्वर परमहंस विश्वगुरु स्वामी श्री महेश्वरानन्द जी के आशीर्वाद से विश्वगुरुदीप आश्रम शोध संस्थान, जयपुर की स्थापना की गयी। यह शोध संस्थान जगद्‌गुरु रामानन्दाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर से सम्बद्ध है तथा भारतीय पुराविद्याओं के शोध हेतु सक्रिय है। शोध संस्थान में निम्नांकित शोधपीठ स्थापित है जिनमें निरन्तर शोधकार्य एवं व्याख्यानमालाएँ आयोजित की जाती रही हैं–

(1) वेदपुराणस्मृति शोधपीठ
(2) भाषामीमांसा एवं शास्त्र शोधपीठ
(3) धर्मदर्शनसंस्कृति शोधपीठ
(4) संस्कृत प्रचार-प्रसार शोधपीठ
(5) योगविज्ञानशोधपीठ

Printed by : Ideal Computer Centre, Jaipur • 9829028926